www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 37 | जौनपुर, मंगलवार, 22 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बद्रीनाथ मंदिर पहुंचे अमेरिकी सैनिक, देखा भारत का सांस्कृतिक वैभव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी सैन्य बलों के अधिकारी व जवान हिमालय की गोद में स्थित बद्रीनाथ मंदिर पहुंचे और यहां दर्शन किए। इसके साथ ही अमेरिकी जवान बीकानेर स्थित जूनागढ़ के किले में भी गए। भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास 2026' आयोजित किया गया है। युद्धाभ्यास के बीच अमेरिकी सैनिकों ने प्रशिक्षण के साथ–साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को भी करीब से जाना। भारतीय और अमेरिकी सेना के जवानों ने राजस्थान के बीकानेर स्थित ऐतिहासिक जूनागढ़ किले का भ्रमण किया। वहीं उत्तराखंड के प्रसिद्ध बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन भी किया। बीकानेर का जूनागढ़ किला सैनिकों के लिए राजस्थान के शाही इतिहास, भव्य स्थापत्य और सैन्य परंपराओं को समझने का अवसर बना। किले की ऐतिहासिक विरासत ने उन्हें भारत के उस दौर से परिचित कराया, जब स्थापत्य कला के साथ सैन्य कौशल और राजसी परंपराएं भी भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। वहीं, हिमालय की गोद में स्थित बद्रीनाथ मंदिर की यात्रा ने दोनों देशों के सैनिकों को भारत की आध्यात्मिक परंपराओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर दिया। प्राकृतिक परिवेश के बीच स्थित यह मंदिर भारत की धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं की एक महत्वपूर्ण पहचान है।

मरीजों और दवाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार का बड़ा कदम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने नेशनल फॉर्मुलरी ऑफ इंडिया (एनएफआई) के 7वें संस्करण और एडीआर–पीवीपीआई 2.0 मोबाइल ऐप के आईओएस संस्करण का शुभारंभ किया। इसके साथ ही मरीजों की सुरक्षा और दवाओं की निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई नई पहलों की घोषणा की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सोमवार को भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) द्वारा आयोजित छठे राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह कार्यक्रम के दौरान अस्पतालों के लिए 'मेडिकल डिवाइस से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं की सुरक्षा निगरानी और रिपोर्टिंग' संबंधी मार्गदर्शिका भी जारी की। 17 से 23 सितंबर 2026 तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, नियामक, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शिक्षाविद, शोधकर्ता और दवा सुरक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारक शामिल हुए। अनुप्रिया पटेल ने यह भी घोषणा की कि भारत के बायोविजिलेंस कार्यक्रम को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत अंग और ऊतक प्रत्यारोपण में उपयोग होने वाली दवाओं तथा जैविक उत्पादों से जुड़ी प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्टिंग, मूल्यांकन, निगरानी और रोकथाम की व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा,

विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को साकार करने में युवा निभाएं सक्रिय भूमिका - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आगामी 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के नाम एक भावपूर्ण पाती (पत्र) लिखी है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं, विद्यार्थियों, नवोदित उद्यमियों और व्यापारियों से इस वैश्विक मंच का भरपूर लाभ उठाने और विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि जब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी, तब सबसे पहली प्राथमिकता रोजगार सृजन की थी। उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश की छवि से बाहर निकालकर उत्सव प्रदेश और विकास के पथ पर अग्रसर बनाना

एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों, एक जनपद–एक उत्पाद योजना और सेक्टर को दिए गए प्रोत्साहन का ही परिणाम है कि आज प्रदेश में 4 करोड़ से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। की अभूतपूर्व सफलता से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने अब एक ग्राम पंचायत–एक उत्पाद जैसी नई पहल भी शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख ग्रोथ इंजन बन चुका है। उत्तर प्रदेश की भागीदारी देश के कुल निर्यात में अब 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। यूपी में देश–विदेश से निवेशक आ रहे हैं और राज्य का निवेश लक्ष्य 15 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है। साल 2023 में शुरू हुआ श्यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को सीधे वैश्विक खरीदारों से जोड़ने का एक मजबूत माध्यम बन गया है। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से युवाओं, छात्रों और भावी उद्यमियों का आह्वान किया कि वे ट्रेड शो में पहुंचकर नए संपर्कों, नए बाजारों और अपनी प्रतिभा के अनुरूप अवसरों की तलाश करें।

यूपीआइ पेमेंट पर उपभोक्ता को नहीं देना होगा चार्ज, वित्त मंत्री ने साफ किया नियम

चंडीगढ़, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया है कि यूपीआइ भुगतानों पर लगने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा। उन्होंने विशेष बातचीत में कहा कि इस मुद्दे पर संसद सत्र के दौरान भी चर्चा की गई थी। वित्त मंत्री ने विपक्षी पार्टियों पर झूठ फैलाने व दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया।सीतारमण ने कहा कि एमडीआर एक ऐसा शुल्क है जो सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रणाली को सुधारने और बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए लगाया जाता है और यह 2,000 रुपये से कम के लेनदेन पर लागू नहीं होता। यह न तो कर है और न ही कोई उपकर। ये धन देश के कोष में भी जमा नहीं होगा। यह शुल्क केवल सेवा प्रदाताओं के बीच का है। नेशनल पेमेंट्स कार्पोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआइ) ने 15 सितंबर को नया एमडीआर ढांचा पेश किया था। इसके तहत 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआइ लेनदेन पर मर्चेंट यानी व्यापारी पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर लागू होगा, जबकि उपभोक्ता बिना किसी शुल्क के लेनदेन करते रहेंगे। सरकार ने कहा है कि नई व्यवस्था से लगभग 96 प्रतिशत यूपीआइ लेनदेन अप्रभावित रहेंगे। सीतारमण ने इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम में मिमिक्री पर भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष के नेता को इस तरह का व्यवहार कतई शोभा नहीं देता। यह उनके संवैधानिक पद का भी अपमान है।

स्वैच्छिक संस्थाओं को दिल्ली सरकार आर्थिक मदद देगी – रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पुराने स्मारकों को संवारने और उनकी विरासत बचाने के लिए अब स्वैच्छिक संस्थाओं को दिल्ली सरकार आर्थिक मदद देगी। हमारे स्मारक, हमारा गौरव योजना के तहत सरकार किसी परियोजना की लागत का सामान्य तौर पर 75 फीसदी हिस्सा उठाएगी और एक वित्तीय वर्ष में प्रति परियोजना अधिकतम दो करोड़ रुपये की सहायता देगी। योजना दिल्ली मुख्यमंत्री हेरिटेज रिवाइवल स्कीम के तहत लागू की गई है। श्रेणी–ए यानी अत्यधिक संरक्षित स्मारकों के संरक्षण में सरकार की हिस्सेदारी 90 फीसदी तक होगी। वहीं सरकारी संस्थाओं की परियोजनाओं के लिए 100 फीसदी तक वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। अजीमगंज की सराय और सरदार पटेल मार्ग स्थित मालचा महल जैसे स्मारकों के लिए जरूरत अधिक होने पर दो करोड़ रुपये की सीमा भी समिति की सिफारिश पर बढ़ाई जा सकेगी। स्वैच्छिक संस्था को सामान्य परियोजना में 25 फीसदी राशि खुद लगानी होगी। एक संस्था एक वित्तीय वर्ष में केवल एक परियोजना के लिए आवेदन कर सकेगी। आवेदन के साथ परियोजना रिपोर्ट, विशेषज्ञों का विवरण, स्मारक के संभावित सार्वजनिक उपयोग और पर्यटकों के प्रबंधन की योजना देनी होगी। पर्यटन और स्थानीय समुदाय को होने वाले लाभ का भी ब्योरा देना होगा। सरकार 30 फीसदी राशि अग्रिम देगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पहुंची एकतानगर, 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स सेरेमनी में शामिल हुई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एकतानगर पहुंची, 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स सेरेमनी में शामिल होंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के गुजरात पहुंचने पर उनका राज्यपाल आचार्य देवव्रत, गुजरात सरकार के प्रोटोकॉल मंत्री प्रफुल पानशेरिया, भरूच के सांसद मनसुखभाई वसावा, नांदोद के विधायक डॉ. दर्शनबेन देशमुख, एसएसएनएनएल के एमडी मुकेश पुरी सहित अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया। राष्ट्रपति 22 सितंबर को एकतानगर में होने वाले 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स सेरेमनी में चीफ गेस्ट होंगी और अलग–अलग कैटेगरी के विजेताओं को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार देंगी। एकतानगर में

पहली बार होने वाले इस नेशनल लेवल के सेरेमनी को देखने के लिए देश के अलग–अलग फील्ड के जाने–माने लोग, फिल्मी दुनिया के जाने–माने कलाकार और आमंत्रित मेहमान आ रहे हैं। बता दें कि 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में राष्ट्रपति के साथ, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई जानी–मानी हस्तियां शामिल होंगी। करीब 75 मिनट के मुख्य समारोह में विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कार और सम्मान पत्र दिए जाएंगे। इसके बाद राष्ट्रपति फिल्म जगत की हस्तियों को संबोधित करेंगी। शाम को नर्मदा किनारे सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर खास लेजर और लाइट एंड साउंड शो भी मेहमानों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। समारोह में मेहमानों को गुजरात के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद भी मिलेगा। इस बार 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार दिया जाएगा। यामी गौतम को 'आर्टिकल 370', मम्मूटी को 'भ्रमयुगम' और कार्तिक आर्यन को 'चंदू चौंपियन' के लिए मुख्य अभिनय श्रेणी में सम्मान मिलेगा। वहीं, रणदीप हुड्डा को 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का पुरस्कार दिया जाएगा।

श्रीमद्भागवत कथा के लिए हुआ भव्य भूमि पूजन, 2 अक्टूबर से नोएडा में होगा नौ दिवसीय आयोजन

नोएडा। भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा धर्म, संस्कार, सेवा एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का आयोजन 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2026 तक सेक्टर–33।, शिल्पहाट के पास स्थित हेलीपैड ग्राउंड में किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों के क्रम में सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार और विधि–विधान के साथ भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन समारोह शाम 3 बजे आयोजित हुआ। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से समाज में धर्म, संस्कार, सेवा, समर्पण और सनातन जीवन–मूल्यों के प्रति जागरूकता को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नोएडा के लिए आध्यात्मिक, सांस्कृतिक

और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर है। आयोजन के दौरान प्रख्यात कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कराया जाएगा। कथा के विभिन्न दिवसों पर संत–प्रवरों के सान्निध्य एवं आशीर्वचनों का भी लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। आयोजकों के अनुसार वात्सल्य मूर्ति ऋतंभरा दीदी जी, श्री महामंडलेश्वर सतुआ महाराज जी, जगद्गुरु श्री सुतीक्ष्ण देवाचार्य महाराज जी, बागेश्वर पीठाधीश्वर श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी, श्री अनिरुद्धाचार्य जी महाराज एवं भक्त शिरोमणि श्री नंदू भैया जी की उपस्थिति अपेक्षित है। भूमि पूजन कार्यक्रम में परिषद के शाखा संरक्षक प्रताप मेहता, डॉ. टीएन गोविल, सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, विकास अग्रवाल, महिला सह–भागिता संयोजिका सुनीता मित्तल, सतनारायण गोयल, महेश बाबू गुप्ता, राकेश कात्याल, गोपाल अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, देवेंद्र गंगल, सुरेंद्र गर्ग, नरेश गर्ग, अल्पेश गर्ग, राधाकिशन गर्ग, अरविंद कुमार, मनीष गुप्ता, दीपक गुप्ता और संतोष बंसल सहित परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। कथा की मुख्य यजमान श्रीमती रीना गुप्ता, डॉ. वीके गुप्ता, डॉ. अंकित कुमार गुप्ता एवं डॉ. अर्पित गुप्ता सहपरिवार उपस्थित रहे। कथा के मुख्य संयोजक एनके अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, रामरतन शर्मा, प्रकल्प संयोजक अजय अग्रवाल, अनुज मंगल, प्रदीप अग्रवाल, मुकुल वाजपेयी, राजेंद्र गर्ग, डीके मित्तल सहित अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन की तैयारियों की जानकारी दी।

पीएम मोदी ने एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने पर की महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी। उन्होंने इस जीत को भारतीय क्रिकेट के लिए "शानदार उपलब्धि" बताया। इस संबंध में पीएमओ इंडिया के आधिकारिक एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री के संदेश में लिखा गया, "भारतीय क्रिकेट के लिए एक शानदार जीत! एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बहुत–बहुत बधाई। खेलों में उनका प्रदर्शन जबरदस्त रहा, जिसमें आत्मविश्वास, कौशल और बेहतरीन टीम वर्क दिखा। इस जीत से भारत को खेलों के इस संस्करण में अपना पहला गोल्ड भी मिला है। टीम ने देश का मान बढ़ाया है और देश भर के अनगिनत युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करेगी।"

महिला ज20 क्रिकेट फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 147 रनों से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले 2023 में हांग्जो में भी टीम ने यह खिताब जीता था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 216ध्3 का विशाल स्कोर खड़ा किया। स्मृति मंधाना इंटरनेशनल क्रिकेट में 11,000 रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बन गईं। जवाब में भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंकाई टीम को महज 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट कर दिया। दीप्ति शर्मा ने 3ध्6 के शानदार आंकड़े दर्ज किए, जबकि शैफाली वर्मा, श्रेयांका पाटिल और श्री चरणी ने दो–दो विकेट लिए। प्रधानमंत्री मोदी ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (डड।) में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर सुचिका तारियाल को भी बधाई दी।

यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर चुनाव का एलान, 16 अक्टूबर को होगी वोटिंग

लखनऊ, (संवाददाता)। चुनाव आयोग ने यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा की है। इसके अलावा चुनाव आयोग ने उत्तराखंड की भी एक सीट पर चुनाव का एलान किया है। चुनाव आयोग की आधिकारिक सूचना के अनुसार, द्विवार्षिक चुनावों में उत्तर प्रदेश की 10 सीटें शामिल हैं। मौजूदा सदस्यों के

रिटायर होने के कारण नवंबर में यह 10 सीटें खाली हो जाएंगी। उत्तर प्रदेश से रिटायर होने वाले राज्यसभा सदस्यों में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, अरुण सिंह, बृजलाल, बीएल वर्मा, राम गोपाल यादव, नीरजा शेखर, गीता उर्फ चंद्रप्रभा, रामजी, सीमा और डॉ दिनेश शर्मा शामिल हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए नोटिफिकेशन 29 सितंबर को जारी किया जाएगा और नामांकन 6 अक्टूबर को बंद होंगे। नॉमिनेशन की जांच 7 अक्टूबर को होगी और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 9 अक्टूबर है। वोटिंग 16 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती शुरू होगी और देर शाम को नतीजे घोषित किए जाएंगे। गोरतलब हो कि 25 नवंबर को राज्यसभा के कुल 11 सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है।

कैंट थाना क्षेत्र में तेंदुए को लगातार आने से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल

वन विभाग ने दो टीमों का गठन कर लगाया पिंजड़ा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।थाना कैंट क्षेत्र के छावनी क्षेत्र में तेंदुए की लगातार मौजूदगी की सूचना से स्थानीय लोगों में दहशत है।कोबरा आर्मी प्री स्कूल के पीछे जंगल में तेंदुआ कई बार दिखाई देने की सूचना मिली है।इसकी सूचना के मिलने बाद वन विभाग ने दो टीमों का गठन कर निगरानी बढ़ाते हुए जंगल में पिंजड़ा लगाया है।ट्रैप कैमरों की लोकेशन भी बदलकर तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तेंदुए की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद विभाग की दो टीमें लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही हैं।टीमों

को तेंदुए के पदचिह्न और मूवमेंट के आधार पर उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।वन विभाग के मुताबिक गुप्तारघाट के निर्मली कुंड से लेकर सरयू निवास तक तेंदुए की आवाजाही के संकेत मिले हैं।वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार,सोमवार शाम करीब छह बजे से रात 8रू30 बजे के बीच लगभग दो किलोमीटर के दायरे में तेंदुए की गतिविधियां देखे जाने की सूचना मिली है।तेंदुआ तीन से चार छोटे जंगलों को पार कर उत्तर दिशा की ओर बढ़ता बताया जा रहा है।इसी को देखते हुए ट्रैप कैमरों के स्थान में बदलाव कर निगरानी का दायरा बढ़ाया गया है।वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि शाम के समय अकेले सुनसान अथवा जंगल वाले क्षेत्रों की ओर न जाएं।तेंदुआ दिखाई देने पर उसके पीछे जाने,घेरने या उसे पकड़ने का प्रयास न करें और तत्काल वन विभाग को सूचना दें।वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए विभागीय स्तर पर लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

हकीकतें सिर उठाकर खड़ी

जीडीपी आंकड़ों के जरिए अगर मकसद खुशहाली का राजनीतिक कथानक गढ़ना नहीं, बल्कि जमीनी स्थितियों का सही अंदाजा लगाना है, तो सरकार को उन पर उठाए गए प्रश्नों और आलोचनात्मक चर्चा का स्वागत करना चाहिए। नरेंद्र मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए किर्गिजिस्तान में थे, मगर वहीं से रील बना कर उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े से सारे देश में खुशी छा गई है! सत्ता पक्ष और मेनस्ट्रीम मीडिया अभी इस ष्खुशीष् को बांटने में ही जुटा था कि बकौल वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ष्अपने को अर्थशास्त्री कहने वाले कुछ बेरोजगार लोगोंष् ने टीवी चौनलों पर आकर ष्देश को नुकसान पहुंचाष् दिया! अनुमान लगाया जा सकता है कि गोयल का निशाना पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की ओर है। गर्ग ने सोमवार को जारी जीडीपी आंकड़े में मौजूद तथ्यात्मक विसंगतियों की चर्चा की है। सरकार ने अभी तक नहीं बताया है कि गणना की पिछली सीरीज के आधार पर 2025–26 की पहली तिमाही में जीडीपी के 86 लाख करोड़ रुपये का होने का अनुमान लगा था, तो उसे नई सीरीज की गणना में 80 लाख करोड़ क्यों कर दिया गया? गणना में इसी गिरावट के कारण इस वर्ष की पहली तिमाही में अनुमानित 88 लाख करोड़ की नोमिनल जीडीपी साल भर पहले की तुलना में 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ी दिखती है। बाद में सरकार ने स्पष्टीकरण जारी किया। मगर उससे गर्ग के उठाए प्रश्नों का उत्तर नहीं मिला है। बल्कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल जो कहा है, उससे गर्ग की दलील को बल मिलता ही मालूम पड़ा है। भारत में, खासकर नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में, आर्थिक आंकड़ों की गणना को लेकर अक्सर सवाल उठे हैं। नई सीरीज में मैनुफैक्चरिंग के आकलन को लेकर अरविंद सुब्रह्मण्यम और आर. नागराज सहित कई अर्थशास्त्री गंभीर सवाल खड़े कर चुके हैं। अतरू जीडीपी आंकड़ों के जरिए अगर मकसद खुशहाली का राजनीतिक कथानक गढ़ना नहीं, बल्कि जमीनी स्थितियों का सही अंदाजा लगाना है, तो सरकार को ऐसे प्रश्नों और चर्चा का स्वागत करना चाहिए। उससे वास्तविक विकास की नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। लेकिन अगर मकसद खुशहाली की अयथार्थ कहानियां फैलाना है, तो उसे समझना चाहिए कि ऐसे प्रयासों की सफलता का दौर गुजर चुका है। अब हकीकतें सिर उठाकर खड़ी हो चुकी हैं।

आधुनिक भारत के शिल्पकार मोदी

अरुण साव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा की यात्रा सेवा, सुशासन और संकल्प की प्रेरणा है। वे आधुनिक भारत के शिल्पकार हैं। किसी भी योजना के प्रारम्भिक विचार से लेकर उसके क्रियान्वयन से जुड़े सभी पहलुओं पर अन्त्योदय की उनकी दृष्टि अनुकरणीय है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संगठन के किसी दायित्व में रहे हों या फिर प्रधानमंत्री के वर्तमान दायित्व में हों, वे सदैव समाज के वंचित वर्ग के उत्थान को वरीयता देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्षों में अधोसंरचना को विकास और रोजगार का मजबूत आधार बनाया है। देश में हर दिन लगभग 34 किलोमीटर से अधिक नए राजमार्ग बन रहे हैं। केंद्र सरकार ने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 35,766 करोड़ तथा राज्य मार्गों और प्रमुख पुलों के निर्माण के लिए 4,468 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। रायपुर–विशाखापट्टनम, रायपुर–बिलासपुर–कटघोरा, नागपुर–संबलपुर और रायपुर–दुर्ग बायपास जैसे महत्वपूर्ण मार्गों के निर्माण से प्रदेश की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक सुधार हो रहा है। प्रदेश में 51 हजार करोड़ रुपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर काम हो रहा है। जगदलपुर–रावघाट रेल प्रोजेक्ट बस्तर के जनजातीय समाज के लिए केन्द्र सरकार का अमूल्य उपहार है। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2030 तक प्रदेश में रेल नेटवर्क दोगुना बढ़कर 2200 रूट किलोमीटर हो जाएगा। सड़कें विकास की जीवनरेखा हैं। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से हमारा प्रयास है कि अच्छी और सुरक्षित सड़कें केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि गाँव, कस्बे, औद्योगिक क्षेत्र और दूरस्थ अंचल भी बेहतर सम्पर्क से जुड़ें। प्रधानमंत्री ने सड़क और रेल सम्पर्क को जिस तरह आर्थिक प्रगति से जोड़ा है, उसी सोच के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी सड़क, पुल और भवन निर्माण के कार्यों को तेसे आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा दूसरा बड़ा संकल्प है, हर घर तक स्वच्छ पेयजल। प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के माध्यम से देश में पेयजल को जनआंदोलन का रूप दिया है। छत्तीसगढ़ में भी ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुँचाने के लिए बड़े स्तर पर काम हो रहा है। अब हमारी प्राथमिकता केवल नल कनेक्शन देना नहीं, बल्कि नियमित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुनिश्चित करना है। जलस्रोतों की स्थिरता, जल संरक्षण और भू–जल संवर्धन को भी हम इसके साथ जोड़ रहे हैं। शहर बदलेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का सपना पूरा होगा। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और अमृत मिशन के माध्यम से देश के शहरों के विकास की नई सोच दी है। छत्तीसगढ़ में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग इसी दिशा में साफ–सफाई, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर काम कर रहा है। हमारा प्रयास है कि छोटे नगरों में भी अच्छी और आधुनिक नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध हों। प्रधानमंत्री की नागरिकों के जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाने की दूरदृष्टि के साथ हम छत्तीसगढ़ के शहरों में समावेशी बनाने में जुटे हैं। युवा शक्ति विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं को खेल, कौशल, नवाचार और नेतृत्व से जोड़कर उन्हें राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रखा है। छत्तीसगढ़ में भी खेल और खिलाड़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करना हमारी प्राथमिकता है। प्रतिभाओं को अवसर देने, खेल अधोसंरचना मजबूत करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। हमारी कोशिश है कि खेल प्रतिभाएँ केवल बड़े शहरों से नहीं, बल्कि गाँवों और जनजातीय अंचलों से भी सामने आएँ। बस्तर जैसे क्षेत्रों में खेलों के प्रति युवाओं का बढ़ता उत्साह इसका उदाहरण है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के साथ उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। प्रधानमंत्री का मानना है कि देश का युवा केवल अवसर पाने वाला नहीं, बल्कि नए अवसर पैदा करने वाला भी बने। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में युवाओं को कौशल, स्टार्टअप, नई तकनीक और रोजगार से जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बाहर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उन्हें छत्तीसगढ़ में ही आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, दृढ़ संकल्प एवं प्रभावी रणनीति के परिणामस्वरूप भारत तथा छत्तीसगढ़ को दशकों पुरानी नक्सल समस्या से निर्णायक मुक्ति मिली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य दिया है। विकसित भारत के इस संकल्प को विकसित छत्तीसगढ़ की कार्ययोजना के साथ हम साकार करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को छत्तीसगढ़ की धरती पर साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

इस बार भी मोदी नहीं जाएंगे संयुक्त राष्ट्र महासभा ,जयशंकर ही संभालेंगे मोर्चा

नीरज

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 21वें सत्र की शुरुआत के साथ ही भारत की कूटनीतिक सक्रियता तेज हो गई है। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जयशंकर 26 सितंबर को महासभा को संबोधित करेंगे और इस दौरान कई देशों के नेताओं तथा विदेश मंत्रियों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें भी करेंगे। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, ऊर्जा संकट, व्यापारिक टकराव और बदलते शक्ति संतुलन से जूझ रही है तब इस सत्र से काफी उम्मीदें की जा रही हैं। हम आपको बता दें कि इस सत्र में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रतिनिधि जुट रहे हैं। इस बार का केंद्रीय विषय है, विश्वास बहाल करना, बदलाव को संभालना और ऐसा संयुक्त राष्ट्र बनाना जो सभी के लिए परिणाम दे। महासचिव अंतोनियो गुतारेस ने वैश्विक नेताओं से शांति, गरिमा, न्याय और मानवता के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने की अपील की है। यह उनके कार्यकाल का अंतिम महासभा सत्र भी है। ऐसे माहौल में भारत के सामने अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं को बेहद स्पष्ट और मजबूती से रखने का अवसर है। देखा जाये तो जयशंकर की यात्रा का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत–अमेरिका संबंध इस समय कई कठिन सवालों से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाने की व्यवस्था ने नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों के बीच तनाव पैदा किया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कानून राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति देता है। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता अपने लगभग एक अरब चालीस करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है और वह अलग–अलग स्रोतों से ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखेगा। यहीं से जयशंकर की न्यूयॉर्क यात्रा का असली सामरिक महत्व सामने आता है। भारत को एक साथ रूस के साथ अपने ऊर्जा और सामरिक संबंधों, अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा साझेदारी तथा ग्लोबल साउथ की चिंताओं को साधना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा इस संतुलन को साधने के लिए सबसे बड़ा कूटनीतिक मंच उपलब्ध कराती है। जयशंकर की दर्जनों मुलाकातों में ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, विकास और ग्लोबल साउथ के मुद्दे स्वाभाविक रूप से प्रमुख रहेंगे। इसके अलावा, भारत के लिए इस महासभा का एक अहम उद्देश्य 2028 से शुरू होने वाले दो वर्षीय कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता हासिल करने के समर्थन में विभिन्न देशों को साथ लाना भी है। इसके लिए जयशंकर अलग–अलग देशों के प्रतिनिधियों के सामने भारत का छह सूत्रीय घोषणापत्र रखेंगे और सुरक्षा परिषद में भारत की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करेंगे। साथ ही, ग्लोबल साउथ के देशों के विकास में भारत की भूमिका, आर्थिक एवं मानवीय सहायता तथा संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। पिछले वर्ष महासभा के दौरान जयशंकर ने 47 द्विपक्षीय और 10 बहुपक्षीय बैठकें की थीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार भी भारत की कूटनीतिक गतिविधियां कितनी

व्यापक रहने वाली हैं। उधर, कूटनीतिक हलकों में संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठ रहा है। उल्लेखनीय है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र को चार बार यानि 2014, 2019, 2020 और 2021 में संबोधित किया। 2020 में महामारी के कारण उनका संबोधन पहले से रिकॉर्ड वीडियो के माध्यम से हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल को देखें तो स्थिति और भी स्पष्ट है। 2024 में मोदी न्यूयॉर्क गए और भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित किया, लेकिन महासभा की सामान्य बहस में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया। 2025 में भी सामान्य बहस में भारत का प्रतिनिधित्व जयशंकर ने किया और अब 2026 में भी भारत की कमान विदेश मंत्री के हाथ में है। इस तरह तीसरे कार्यकाल में अब तक मोदी ने महासभा की सामान्य उच्चस्तरीय बहस को अब तक संबोधित नहीं किया है। सवाल उठ रहा है कि क्या मोदी अमेरिका इसलिए नहीं जा रहे ताकि ट्रंप से मुलाकात से बच सकें? देखा जाये तो भारत–अमेरिका संबंधों में तनाव जरूर है और रूसी तेल तथा अमेरिकी शुल्क का विवाद गंभीर है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जून 2026 में फ्रांस में हुई मुलाकात में दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। इसलिए केवल संयुक्त राष्ट्र महासभा में मोदी की गैरमौजूदगी को ट्रंप से मुलाकात से बचने की रणनीति के रूप में देखा जाना गलत होगा। बहरहाल, न्यूयॉर्क में जयशंकर का संबोधन केवल संयुक्त राष्ट्र में भारत का भाषण नहीं होगा। यह संदेश देने का अवसर होगा कि भारत दबावों के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक स्वायत्तता, ग्लोबल साउथ की आवाज और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका, इन चारों लक्ष्यों को एक साथ आगे बढ़ाना चाहता है। महासभा के मंच से भारत की कूटनीति की धार इसी संतुलन और दृढ़ता से दिखाई देगी।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने

ललित

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस–यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल–गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका–इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है–"शांति में निवेश करें–सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।" संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति–निर्माताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है। दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस–यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम–से–कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए–मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व–शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका–इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी। इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला–बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं हैय क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए। दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष–प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आतीय गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति–निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है। भारत की शांति–दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत–एक–दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व–अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह–अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य–अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा–ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा। सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग–इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे–धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने–अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है–शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है। मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना लीय अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है।

राहुल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेसी उस पर पानी फेर रहे

शकील

राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। कांग्रेसी चाहते हैं राहुल चक्रव्यूह तोड़ दें। राहुल तोड़ सकते हैं। मगर राहुल उसे तोड़कर बाहर निकलना भी चाहते हैं। कांग्रेसियों को इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं है कि राहुल चक्रव्यूह तोड़कर बाहर आएं। उन्हें केवल राहुल से चक्रव्यूह तुड़वाना है। क्योंकि उनमें से न तो कोई तोड़ सकता है न तोड़ना चाहता है।राहुल को आप चाहे जितना अव्यवहारिक या आदर्शवादी कहें मगर इतना वह जानते हैं कि आज के समय केवल चक्रव्यूह तोड़ना ही महत्वपूर्ण नहीं है। तोड़कर बाहर निकलना भी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल ने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जो कौरवों ने अभिमन्यु के साथ किया था वही अब मोदी सरकार कर रही है। महाभारत में कौरव कामयाब हुए थे। अभिमन्यु को घेर कर मार लिया था। लेकिन अब अभिमन्यु मरेगा नहीं। चक्रव्यूह बेधेगा और बाहर भी आएगा।राहुल ने यह बिल्कुल नया कान्सेप्ट दिया है। इससे पहले चक्रव्यूह बेधने की ही बात होती थी। मगर राहुल ने आज के समय के अनुसार उससे सुरक्षित बाहर निकलने की जो बात कही है वह एक आशावादी राजनीति का मैसेज है। और 12 साल से निराश एवं हताश जनता को इससे एक उम्मीद बंधती है। राहुल जनता में ही हौसला पैदा करके और खास तौर से छात्र एवं युवाओं को जगाकर ही इस चक्रव्यूह को तोड़ने और इससे बाहर निकलने की बात करते हैं। राजनीतिक खबरें पढ़ें राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। और प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में भी नहीं आ पाए।लेकिन कांग्रेस के ही कुछ नेताओं की गलतियों के कारण कई बार बेवजह बाजी पलट जाती है। जिस दिन राहुल का अब तक का सबसे सफल गूंज कार्यक्रम इन्दौर में हो रहा था उसी दिन दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनावों का नतीजा निकल रहा था। दिल्ली में इस बार जो माहौल था भाजपा उससे बहुत डरी हुई थी। हर चीज उसके खिलाफ जा रही थी। और ऐसे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के चुनाव से एक हफ्ते पहले सत्य निकेतन की बिल्डिंग गिर जाने जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के ही पढ़ने वाले कई छात्र दबकर मर जाने की घटना ने उसे पूरी तरह निराश कर दिया था।लेकिन अगर बल्लेबाज ही हिट विकेट हो जाएं तो कितने ही निराश बालर और टीम हो जीत जाती है। दिल्ली का हर चुनाव पूरे देश को संदेश देता है। चाहे लोकसभा हो या दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव। यहां केवल छात्र संघ का चुनाव ही नहीं दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ डूटा भी राजनीति की नब्ज बताता है। अभी छात्र संघ डूसू चुनाव के चार दिन पहले ही दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रभावी शिक्षक नेता माने जाने वाले और तीन बार डूटा के अध्यक्ष रहने वाले आदित्य नारायण मिश्रा ने बड़ी तादाद में युनिवर्सिटी के शिक्षकों के साथ कांग्रेस मुख्यालय आकर कांग्रेस ज्वाइन की। इसका डूसू चुनाव पर स्वाभाविक असर पड़ना था। उससे पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर ही छात्रों का बड़ा धरना और फिर संसद मार्च में लाठी, आंसू गैस, पैलेट गन चलने से पूरा माहौल भाजपा विरोधी बना हुआ था। छात्र राजनीति के लिए इससे अनुकूल माहौल कुछ नहीं हो सकता। मगर एक नेता द्वारा अपने बेटे को टिकट दिलाकर एनएसयूआई का पूरा पैनल लंगड़ा कर दिया गया। जिस उपाध्यक्ष सीट पर उस नेता के बेटे वीर चतरथ को लड़ाया वहां एनएसयूआई को नोटा से भी कम वोट मिले। इस पोस्ट पर नोटा को 4359 और एनएसयूआई को 4313 वोट मिले। शर्मनाक! और यह नेता कौन है जिसने अपने बेटे को टिकट दिलाया? एक भारी अहंकारी वह व्यक्ति जिसे कांग्रेस के नए मुख्यालय इन्दिरा भवन का पूरा चार्ज दे रखा है। जहां वह किसी भी नेता, कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय से गए किसी अधिकारी को घुसने से रोक सकता है। अपमान कर सकता है। चुनाव अपडेट्स देखें यह हमने लिखा नेता और अधिकारी के लिए। कार्यकर्ता और कर्मचारी की तो बात ही नहीं है। उन्होंने तो इन्दिरा भवन जाना ही छोड़ दिया। एनएसयूआई के नेता, सदस्य और दिल्ली यूनिवर्सिटी के दूसरे तमाम छात्र कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय आते रहते हैं। पॉलिटिकल पार्टी का दफ्तर जैसा होना चाहिए खुला वह वैसा ही है। दिल्ली के छात्र क्या देश भर से लोग वहां आते हैं। बैठते हैं। कैंटिन में सही दाम में चाय पीते हैं। ऐसे ही सही कीमत में खाना खा लेते हैं। आगे बताते हैं यहां के उचित दाम आपको।पहले जरा इन्दिरा भवन की बात। लेकिन उससे भी पहले

पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग की बात। पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग के बनने के औचित्य पर हम शुरू से सवाल उठाते रहे हैं। उसकी कमियों पर बहुत लिखा। अखबार में भी और ट्वीटर पर भी। लेकिन अभी पिछले कुछ समय से हमने लिखना बंद कर दिया। कांग्रेस के लोगों को मोदी की बनाई नई संसद की कमियां पढ़ने में बहुत मजा आता था। एक दिन एक बड़े नेता ने पूछा कि अब आप नई बिल्डिंग पर क्यों नहीं लिखते हैं? हमने कहा क्योंकि हमने उससे खराब भवन की तारीफ नहीं कर सकता है। वैसे ही कांग्रेस का कोई नेता इन्दिरा भवन की व्यवस्थाओं का बचाव नहीं कर पाता है। अब हमने ऊपर कैंटिन और रेट की बात कही थी वह बताते हैं। इन्दिरा भवन की कैंटिन के रेट इतने ऊंचे रखे हैं कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों को भी चाय पीना हो तो बाहर जाना पड़ता है। यह बताने की तो शायद जरूरत नहीं है कि कार्यस्थलों पर कैंटिन इसलिए खोली जाती है और सब्सिडाइज रेट पर चाय खाना स्नेक्स रखे जाते हैं ।

स्कूली वाहन की चपेट में आने से चार वर्षीय बालक की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में केराकत क्षेत्र के पचवर गांव में मंगलवार सुबह स्कूली वाहन की चपेट में आने से चार वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पचवर गांव निवासी चार वर्षीय आरव गोड़ मंगलवार सुबह स्कूली वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन आनन–फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) केराकत लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। आरव दो बहनों के बाद परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्कूली वाहन को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। पुलिस ने बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्राधिकारी केराकत अजय कुमार ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। संबंधित वाहन को सीज करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। परिजनों से तहरीर प्राप्त हुई है।

लेखपालों ने अतिरिक्त हलकों का बहिष्कार कर बस्ते जमा किए, आठ सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मंगलवार को मड़ियाहूं तहसील के लेखपालों ने आठ सूत्री मांगों को लेकर अतिरिक्त हलकों का बहिष्कार किया। लेखपालों ने अपने बस्ते तहसील सभागार में रजिस्ट्रार कानूनगो जय प्रकाश उपाध्याय को सौंप दिए। प्रदर्शन उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के मड़ियाहूं अध्यक्ष अनिल कुमार की अध्यक्षता में हुआ। इससे पहले शनिवार को लेखपालों ने अध्यक्ष अनिल कुमार और महामंत्री शिवशंकर यादव के नेतृत्व में मुख्य सचिव को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा था। इसमें 22 सितंबर से अतिरिक्त हलकों का काम छोड़ने और भविष्य में ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार की चेतावनी दी गई थी। लेखपालों ने मोटरसाइकिल भत्ता 1500 रुपये प्रतिमाह, विशेष भत्ता 100 से बढ़ाकर 1000 रुपये और स्टेशनरी भत्ता 100 से बढ़ाकर 500 रुपये करने की मांग की। इसके अलावा अंतर मंडलीय स्थानांतरण, चयन वर्ष 2025–26 की पदोन्नति सूची जारी करने और वर्ष 2024 में नियुक्त लेखपालों के विभागीय परीक्षा परिणाम व प्रमाणपत्र जारी करने की मांग रखी। उन्होंने भूलेख समेत अन्य सहायक पटल से जुड़े लेखपालों को मुक्त करने तथा ग्राम सचिवालयों में अलग कमरा, फर्नीचर, सुरक्षित रिकॉर्ड रूम, कंप्यूटर, इंटरनेट, बिजली, पानी और सुरक्षा की व्यवस्था की मांग की। लेखपालों का कहना है कि एक लेखपाल के पास चार–पांच गांव होने से आईजीआरएस, आय–जाति–निवास, वरासत और पैमाइश जैसे कार्य समय से पूरा करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने प्रारंभिक वेतनमान में 2800 ग्रेड पे, वेतन विसंगति दूर करने, पद को तकनीकी घोषित करने तथा लैपटॉप और मोबाइल उपलब्ध कराने की भी मांग की। अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि मड़ियाहूं तहसील में 43 हलकों में अभी लेखपाल नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर ग्राम सचिवालय रोस्टर का भी बहिष्कार किया जाएगा। इस मौके पर सुजित कुमार पटेल, शिवम साहू, मनोज कुमार समेत कई लेखपाल मौजूद रहे।

जीआरपी थाना परिसर में 17 लाख रुपये से बनी नई पुलिस बैरक का डीजी रेलवे प्रकाश डी. ने किया उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित जीआरपी थाना परिसर में मंगलवार को पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. ने 17 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित पुलिस बैरक का उद्घाटन किया। इस दौरान परिसर में पौधरोपण भी किया गया। नई बैरक से यहां तैनात पुलिसकर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधा मिल सकेगी। उद्घाटन के बाद डीजी रेलवे प्रकाश डी. ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश जीआरपी के लिए महत्वपूर्ण दिन है। नवनिर्मित बैरक अब रेलवे पुलिस को सौंप दी गई है। उन्होंने कहा कि रेलवे और यात्रियों की सुरक्षा के साथ रेल पटरी की सुरक्षा जीआरपी की प्राथमिकता है। इसी दिशा में कार्ययोजना बनाकर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जा रहा है। पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाएं मिलने से उनकी कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी। डीजी रेलवे ने जीआरपी के सामने आने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यात्रियों और उनके सामान की सुरक्षा के लिए जीआरपी, आरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां समन्वय से काम कर रही हैं। ट्रेनों में जहरखुरानी की घटनाओं को रोकने के लिए भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है। उन्होंने ट्रेनों पर पथराव और रेल पटरी पर सामान रखकर रेल संचालन बाधित करने की घटनाओं को भी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि इन मामलों में जीआरपी सतर्कता से काम कर रही है। डीजी ने यात्रियों से अपील की कि वे अनजान लोगों से खाने–पीने की कोई वस्तु न लें और अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक रेलवे जोन प्रयागराज प्रशांत वर्मा, पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज, एसपी जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह, सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता और पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी कुंवर प्रभात सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वाराणसी में यूपी एटीएस की मुठभेड़ में 30 लाख का इनामी नक्सली कमांडर बृजेश गंझू मारा गया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश एटीएस को वाराणसी में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बड़ी सफलता मिली है। रामनगर थाना क्षेत्र के लंका मैदान में टेंगरा मोड़ से मुगलसराय जाने वाले मार्ग पर शनिवार और रविवार की दरमियानी रात हुई मुठभेड़ में झारखंड के नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी के कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता को पुलिस ने मार गिराया। बृजेश गंझू पुत्र पंचू गंझू ग्राम लूटू, थाना लावालौंग, जिला चतरा, झारखंड का निवासी था। उस पर झारखंड सरकार की ओर से 25 लाख रुपये और राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह लंबे समय से उत्तर प्रदेश एटीएस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी के लिए वांछित था। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि बृजेश गंझू अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से टेंगरा मोड़ होते हुए मुगलसराय की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर यूपी एटीएस और रामनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने लंका मैदान के पास घेराबंदी की। पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल सवारों को रोककर आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन आरोप है कि बृजेश मोटरसाइकिल से उतरकर पुलिस टीम पर गोली चलाने लगा। इसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हुई गोलीबारी के दौरान बृजेश को गोली लगी। मुठभेड़ के दौरान नक्सली की ओर से चलाई गई गोलियां यूपी एटीएस के डिप्टी एसपी विपिन राय और हेड कांस्टेबल नितेन्द्र कृष्ण की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगीं। दोनों पुलिसकर्मी सुरक्षित बच गए। घायल बृजेश गंझू को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद यूपी एटीएस और वाराणसी पुलिस ने इलाके में सघन चेकिंग और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

भारतगैस ने 'जीरो का दम' अभियान के तहत एलपीजी सिलेंडर की गुणवत्ता और सुरक्षा पर दिया जोर

लखनऊ।भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), एक फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनी और महारत्न सार्वजनिक उपक्रम, ने एलपीजी सिलेंडरों की गुणवत्ता और ग्राहकों की सुरक्षा को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत बीपीसीएल ने अपने पूरे एलपीजी नेटवर्क में 'जीरो का दम' (जेडकेडी) कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एलपीजी सिलेंडरों की गुणवत्ता को हर स्तर पर सुनिश्चित करना और ग्राहकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। यह पहल सिलेंडर की गुणवत्ता, सुरक्षित संचालन और ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए बीपीसीएल द्वारा किए जा रहे व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। खामी मिली तो रिफिल मुफ्त' पहल के तहत भटिंडा शहर के ग्राहकों को सिलेंडर की गुणवत्ता को लेकर भरोसा दिया जा रहा है। यदि भारतगैस सिलेंडर की डिलीवरी के समय उसमें कोई खामी पाई जाती है, तो तय नियमों और शर्तों के अनुसार ग्राहक को मुफ्त रिफिल दिया जाएगा। 'जीरो का दम' कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एलपीजी सिलेंडर ग्राहक तक पहुंचने से पहले हर स्तर पर गुणवत्ता के तय मानकों पर खरा उतरे। इसके तहत बीपीसीएल के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की स्वतंत्र और मान्यता प्राप्त एजेंसियों द्वारा नियमित रूप से जांच की जाती है। ये एजेंसियां नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर सर्टिफिकेशन बॉडीज (एनएबीसीबी) से मान्यता प्राप्त हैं। जांच के दौरान सिलेंडर के प्लांट से लेकर ग्राहक तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया में गुणवत्ता और सुरक्षा के मानकों को परखा जाता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों तक केवल खामी रहित और अच्छी गुणवत्ता वाले सिलेंडर ही पहुंचें। अब तक बीपीसीएल के 55 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट 'जीरो का दम' प्रमाणन हासिल कर चुके हैं। इस पहल के बारे में बीपीसीएल के एलपीजी कारोबार प्रमुख श्री टी.वी. पांडियन ने कहा, "'जीरो का दम' कार्यक्रम गुणवत्ता, बेहतर संचालन और ग्राहकों की सुरक्षा के प्रति बीपीसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कड़े गुणवत्ता परीक्षण, नियमित रखरखाव, सुरक्षा जांच और स्वतंत्र प्रमाणन के माध्यम से हम एलपीजी बॉटलिंग प्लांट से लेकर ग्राहक के घर तक हर स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहे हैं। 'खामी मिली तो रिफिल मुफ्त' की गारंटी हमारे सिलेंडरों की गुणवत्ता पर भरोसे को दर्शाती है और ग्राहक को प्राथमिकता देने के हमारे प्रयास को और मजबूत करती है। यह पहल हमारी एलपीजी टीम की लगातार मेहनत का परिणाम है। इसका उद्देश्य ग्राहकों को खामी रहित सिलेंडर उपलब्ध कराना और उनके भरोसे को और मजबूत करना है।" यह कार्यक्रम आधुनिक तकनीक, नियमित रखरखाव, सुरक्षा जांच और स्वतंत्र गुणवत्ता प्रमाणन के जरिए एलपीजी बॉटलिंग की पूरी प्रक्रिया को बेहतर और सुरक्षित बनाता है। इससे बीपीसीएल को हर स्तर पर गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही, एलपीजी से जुड़ी सभी गतिविधियों में ग्राहकों की सुरक्षा को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है। जीरो का दम' के तहत ग्राहकों को दिया जा रहा यह भरोसा बीपीसीएल की गुणवत्ता और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डिलीवरी के समय यदि सिलेंडर में कोई खामी पाई जाती है, तो तय नियमों और शर्तों के अनुसार ग्राहक को मुफ्त रिफिल दिया जाएगा। यह पहल सिलेंडर की गुणवत्ता और भरोसेमंद सेवा के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। फिलहाल यह पहल भटिंडा शहर सहित कुछ चुनिंदा शहरों में शुरू की गई है। आने वाले समय में इसे धीरे–धीरे अन्य शहरों और क्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा। जीरो खामी। बेहतरीन अनुभव। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (के बारे मेंरू फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनी, भारत पेट्रोलियम, भारत की दूसरी सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी (ऑयल मार्केटिंग कंपनी) है और एक एकीकृत ऊर्जा कंपनी है, जो कच्चे तेल के रिफाइनिंग (शोधन) और पेट्रोलियम उत्पादों के विपणन में संलग्न है।

यह कंपनी तेल और गैस उद्योग के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम दोनों क्षेत्रों में सक्रिय है। भारत पेट्रोलियम को प्रतिष्ठित श्महानवरत्न (महान रत्न)श का दर्जा प्राप्त है, जिससे इसे अधिक परिचालनिक और वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त हुई है। भारत पेट्रोलियम की रिफाइनरी (शोधनगृह) मुंबई, कोच्चि और बीना में स्थित हैं, जिनकी कुल शोधन क्षमता लगभग 35.3 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (डडज्ञ्।) है। इसके विपणन ढांचे में एक विस्तृत नेटवर्क शामिल है जिसमें इन्स्टॉलेशन, डिपो, फ्यूल स्टेशन, एविएशन सर्विस स्टेशन और एलपीजी वितरक शामिल हैं। इसकी वितरण नेटवर्क में शामिल हैं।23,500 फ्यूल स्टेशन 6,200 एलपीजी वितरक 500 ल्यूब्रिकेंट्स वितरक 80 च्व्स् भंडारण स्थल54 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट 79 एविएशन सर्विस स्टेशन 5 ल्यूब्रिकेंट ब्लेंडिंग प्लांट 5 क्रॉस–कंट्री पाइपलाइंस भारत पेट्रोलियम अपनी रणनीति, निवेशों, पर्यावरणीय और सामाजिक लक्ष्यों को एकीकृत करके एक सतत (सस्टेनेबल) भविष्य की ओर अग्रसर है। कंपनी ने 6500 फ्यूल स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं। सतत समाधान (सस्टेनेबल सॉल्यूशंस) पर केंद्रित रहते हुए, कंपनी ने एक इकोसिस्टम विकसित करना शुरू किया है और 2040 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन में नेट जीरो एनर्जी कंपनी बनने का रोडमैप तैयार किया है। भारत पेट्रोलियम समुदायों के साथ साझेदारी करते हुए शिक्षा, जल संरक्षण, कौशल विकास, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास, क्षमता निर्माण और कर्मचारी स्वयंसेवा जैसे क्षेत्रों में कई पहलों का समर्थन करता है। 'एनरजाइजिंग लाइव्स को अपने मूल उद्देश्य के रूप में अपनाते हुए, भारत पेट्रोलियम का दृष्टिकोण है। प्रतिभा, नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एक प्रशंसित वैश्विक ऊर्जा कंपनी बनना।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समन्वय बैठक संपन्न एक अक्टूबर से चलेगा अभियान

जौनपुर, । यूपी के जौनपुर में संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के समन्वय से साफ–सफाई, फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव और जनजागरूकता समेत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में सोमवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समन्वय बैठक हुई। सीडीओ ने सभी विभागों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार अभियान की गतिविधियां समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने 27 सितंबर तक कार्ययोजना स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराने तथा संवेदनशील ग्रामों और मोहल्लों में विशेष रूप से निरोधात्मक गतिविधियां संचालित करने को कहा। उन्होंने पंचायती राज विभाग को रोस्टर के अनुसार ग्राम पंचायतों में झाड़ियों की कटाई, जल निकासी और साफ–सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों को सभी वार्डों, मोहल्लों और स्कूलों में विशेष सफाई, फॉगिंग तथा एंटी लार्वा रसायन का छिड़काव कराने को कहा। सीडीओ ने पिछले अभियान में राज्य औसत से कम फीडबैक वाले ब्लॉकों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और इस बार सभी गतिविधियां शत–प्रतिशत कराने के निर्देश दिए। पशुपालन विभाग को शूकर पालकों को साफ–सफाई रखने, कीटनाशी का छिड़काव करने तथा शूकरों को खुले में नहीं छोड़ने के प्रति जागरूक करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सभी आशा कार्यकर्ताओं का शत–प्रतिशत भ्रमण, लक्षणयुक्त मरीजों का चिन्हीकरण, दवाओं, किट और प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा डेंगू समेत अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार कराने के निर्देश दिए गए। स्कूल–कॉलेजों में भी सफाई, झाड़ियों की कटाई और विद्यार्थियों को संक्रामक रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने को कहा गया। विद्यार्थियों को पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से अभियान का उद्घाटन कराने तथा प्रत्येक गतिविधि की जीपीएस फोटो सहित रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ डॉ. गंगाराम गौतम, नोडल अधिकारी डॉ. आलोक कुमार सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव, बीएसए समीर कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आस्था, उल्लास और विदाई का अद्भुत संगम

लखनऊ, (संवाददाता)। गणेशोत्सव के बीच रविवार को शहर में आस्था के दो रंग नजर आए। झूलेलाल वाटिका में मनौतियों के राजा का वैदिक .. का जयघोष करते नजर आए। झूलेलाल वाटिका में मनौतियों के राजा के पंडाल में सहस्रनाम सिंदूराभिषेक किया गया। अयोध्या और बनारस से आए आचार्यों ने

मंत्रोच्चार के बीच सहस्रनाम सिंदूराभिषेक हुआ, वहीं कुड़िया घाट और झूलेलाल घाट पर श्रद्धालुओं ने ढोल–नगाड़ों के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी। गणेश पंडालों से निकली विसर्जन यात्राओं में भक्त नाचते–गाते गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ. वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया। भक्तों ने बारी–बारी से बप्पा को सिंदूर अर्पित किया और प्रसाद स्वरूप वही सिंदूर माथे पर लगाया। कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि सिंदूराभिषेक सुख–समृद्धि की कामना से किया जाता है। शाम को भजन संध्या में कोलकाता के संजय शर्मा के निर्देशन में वॉयस ऑफ इंडिया के विजेता सुमित सैनी ने भजनों से समां बांधा। श्रीकृष्ण महारास और राम–केवट संवाद की नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की गई। अक्षय समिति की ओर से पेपर मिल कॉलोनी स्थित गणेशोत्सव लखनऊ के महाराजा में विशेष पूजा–अर्चना और आरती हुई। गुरुकुल के बच्चों ने मंत्रोच्चार के साथ आरती की। दोपहर में भंडारा हुआ, जबकि शाम को श्रद्धालुओं ने डांडिया का आनंद लिया। श्री गणेश उत्सव मंडल चौक की ओर से लखनऊ के राजा की विसर्जन यात्रा निकाली गई। ढोल–नगाड़ों के बीच भक्त नाचते–गाते घाटों तक पहुंचे। चौक चौराहे पर हांडी भी फोड़ी गई। कुड़िया घाट और झूलेलाल घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गणपति की प्रतिमाओं का विसर्जन किया।

गुलफाम हत्याकांड में 25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट थाना पुलिस और सर्विलांस टीम पूर्वी जोन की संयुक्त टीम ने गुलफाम अहमद की हत्या के मामले में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी तौफीक अहमद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को रायपुर बाबूगांव चौराहे के पास से हिरासत में लिया गया। तौफीक अहमद पुत्र हकीक अहमद निवासी छिलगंवा छोटी तकिया, थाना घुंघटेर, बाराबंकी का रहने वाला है और उसकी उम्र 21 वर्ष है। चिनहट थाने में दो जून 2026 को 22 वर्षीय गुलफाम अहमद के लापता होने के संबंध में गुमशुदगी संख्या 86ध्2026 दर्ज की गई थी। मामले की जांच उप निरीक्षक रितेश सिंह को सौंपी गई थी। इसके बाद 19 जुलाई 2026 को गुलफाम के भाई इस्तीयाक अहमद पुत्र मुस्ताक अहमद निवासी ग्राम ज्ञानीपुर, थाना शिवगण, सुल्तानपुर की तहरीर पर गुमशुदगी को तरमीम करते हुए अपहरण के आरोप में मुकदमा अपराध संख्या 387ध्2026 धारा 140(1) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। विवेचना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्र द्वारा की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों के निर्देश पर गुलफाम की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था। पुलिस के अनुसार मामले में आरोपी समीर और मोहम्मद साहिल को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। तौफीक अहमद इस मुकदमे में तभी से वांछित चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास के संबंध में दूसरे थानों, इकाइयों और जनपदों से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के मुताबिक मामले में मुकदमे में हत्या से संबंधित धाराएं 103(1), 238 और 3(5) बीएनएस भी बढ़ाई गई हैं। उप निरीक्षक कपिल कुमार और हेड कांस्टेबल गजेंद्र प्रताप सिंह तथा सर्विलांस टीम पूर्वी जोन से उप निरीक्षक अमरनाथ चौरसिया, हेड कांस्टेबल संदीप पांडेय, कांस्टेबल शिवानंद खरवार, कांस्टेबल तरनजीत सिंह, कांस्टेबल प्रदीप और कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह शामिल रहे।

नाका हिंडोला थाने में दो मृत हिस्ट्रीशीटरों के खाके नियमानुसार नष्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। नाका हिंडोला थाने में दो मृत हिस्ट्रीशीटरों के हिस्ट्रीशीट खाके नियमानुसार नष्ट किए गए। पुलिस के अनुसार पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश पर हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी तथा मृत हिस्ट्रीशीटरों के खाके नष्ट किए जाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। नाका हिंडोला थाने में हिस्ट्रीशीटर संख्या 89ए से संबंधित बबलू उर्फ हुक्का पुत्र जाकिर उर्फ लड्डन निवासी नूरे पीर बक्स, मजरे गहिरी, पोस्ट बरहा, थाना खीरो, रायबरेली, हाल पता नेहरू नगर, ऐशबाग, थाना नाका हिंडोला, लखनऊ तथा हिस्ट्रीशीटर संख्या 142ए से संबंधित अरुण कुमार मौर्य उर्फ कोकी उर्फ अरविंद पुत्र डैनी मौर्य उर्फ रमेश मौर्य निवासी 79ध्76 मातादीन का हाता, न्यू गणेशगंज, थाना नाका हिंडोला, लखनऊ की मृत्यु हो चुकी है। दोनों की मृत्यु के कारण उनके हिस्ट्रीशीट खाके सहायक पुलिस आयुक्त कैसरबाग की उपस्थिति में नियमानुसार नष्ट किए गए।

आकाश आनंद और बहन को पार्टी की जिम्मेदारी से दूर रखेंगे, ईशान आनंद को आगे करेंगी मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने परिवारवाद और पार्टी संगठन में रिश्तेदारों की भूमिका को लेकर बड़ा फैसला घोषित किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी और समाज के लिए काम करने वालों को अपने भाई–बहनों तथा नजदीकी रिश्ते–नातों के मोह से ऊपर उठकर पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करना चाहिए। मायावती ने कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम ने राजनीति में आने के बाद अपने नजदीकी रिश्तेदारों को राजनीतिक लाभ देने से हमेशा दूरी बनाए रखी और उन्हें केवल निस्वार्थ भाव से पार्टी संगठन में काम करने की अनुमति दी। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बहुजन समाज के हित और कल्याण के लिए समर्पित की। मायावती ने कहा कि कांशीराम से प्रेरित होकर उन्होंने भी अपना पूरा जीवन बहुजन समाज के लिए समर्पित करने का फैसला किया।मायावती ने कहा कि महिला होने के कारण उन्हें मजबूरी में अपने किसी न किसी भाई–बहन को हमेशा साथ रखना पड़ा, जिसके तहत उनके छोटे भाई आनंद कुमार पिछले कई वर्षों से उनकी सेवा में कार्यरत रहे हैं।

'डीएम के दिशा–निर्देशन में आयुर्वेद चिकित्सकों ने लिया जन–जन तक आयुर्वेद पहुँचाने का संकल्प'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर'। मनाए जाने वाले 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की तैयारियों एवं आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बिस्मिल सभागार में जिला आयुष सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें जिलाधिकारी के दिशा–निर्देश के अनुपालन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यालय में एक बैठक आयोजित गई। जिसमें इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी एवं आयुर्वेद संस्थानों से जुड़े आयुर्वेद चिकित्सकों ने सहभागिता की।

बैठक में भगवान धन्वंतरि एवं महर्षि चरक के चित्रों पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण कर उन्हें साक्षी मानते हुए आयुर्वेद चिकित्सकों ने आयुर्वेद के ज्ञान, स्वस्थ जीवनशैली तथा प्राकृतिक स्वास्थ्य संरक्षण के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सा के साथ औषधीय वनस्पतियों एवं पर्यावरण संरक्षण को भी जनजागरूकता अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। चिकित्सकों द्वारा तुलसी, गिलोय, आंवला, नीम, एलोवेरा सहित विभिन्न औषधीय एवं फलदार पौधों का वितरण किया गया तथा लोगों को अपने घर–आंगन में पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल के लिए प्रेरित किया गया। डॉ विजय जौहरी, बुंदेलखंड राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, झाँसी के पूर्व शिक्षक, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा के सचिव एवं अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिस प्रकार माता–पिता अपने परिवार और बच्चों के भविष्य का ख्याल रखते हैं, उसी प्रकार समाज को उन वनस्पतियों के भविष्य का भी ख्याल रखना चाहिए, जो हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, "वनस्पतियां हमारे स्वास्थ्य और जीवन का ख्याल रखती हैं, तो क्यों न हम भी वनस्पतियों के भविष्य का ख्याल रखें। परिवार की तरह औषधीय पौधों का संरक्षण करें, क्योंकि आज लगाया और संरक्षित किया गया पौधा आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की पूंजी है।" उन्होंने कहा कि "माँ के नाम एक पौधा" जैसे संदेश के साथ प्रत्येक परिवार को कम से कम एक औषधीय पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। घर–आंगन में तुलसी, गिलोय, आंवला, नीम आदि उपयोगी वनस्पतियों का संरक्षण पर्यावरण के साथ पारंपरिक स्वास्थ्य–जागरूकता को भी मजबूत करेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि भारत सरकार एवं आयुष मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार, संबंधित आयुर्वेद विभागीय अधिकारी, वन विभाग, आयुर्वेद शिक्षण संस्थान, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से जनपद में आयुर्वेद एवं औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर एवं पौध वितरण अभियान चलाए जाएंगे। बैठक में यह भी कहा गया कि 23 सितंबर को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर शासन की मंशा के अनुरूप जनसंपर्क, जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद के संदेश को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों, शैक्षिक संस्थानों तथा समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाया जाएगा।

अंत में उपस्थित आयुर्वेद चिकित्सकों एवं पदाधिकारियों ने "जन–जन तक आयुर्वेद और घर–घर औषधीय वनस्पतियों का संरक्षण" का संकल्प लेते हुए राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस को व्यापक जनजागरूकता अभियान के रूप में मनाने का प्रण लिया। बैठक में अतुल कुमार सक्सेना शासन द्वारा नामित सदस्य पर्यावरण समिति शाहजहांपुर, अजय शर्मा उपाध्यक्ष योग भारती शिक्षक – नवजोत सिंह , बृजेश गुप्ता , डॉ रजत सक्सेना , डॉ पल्लवी सक्सेना, डॉ हितेश गुप्ता, डॉ रविश सक्सेना डॉ रोहित वर्मा, डॉ डी पी सिंहआदि अन्य आयुर्वेद चिकित्सकों ने सहभगिता की।

कोतवाली नगर पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

अयोध्या।कोतवाली नगर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामद वाहनों में एचएफ डीलक्स और टीवीएस अपाचे आरटीआर–180 शामिल हैं। दोनों बरामद मोटरसाइकिलों को कोतवाली नगर में दर्ज दो अलग–अलग चोरी के मामलों से संबंधित बताया गया है।इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा ने बताया कि कोतवाली नगर पुलिस ने मंगलवार की रात देवकाली बाईपास से साकेतपुरी की ओर जाने वाले सर्विस रोड पर करीब 200 मीटर आगे घेराबंदी कर तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया।बताया गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मनोज कुमार निषाद निवासी गयासपुर,थाना तारुन,रवि दुबे निवासी सोनवरसा,थाना महाराजगंज तथा आशुतोष उर्फ बब्बू निवासी अमौनी, थाना महाराजगंज के रूप में हुई है।बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपियों के खिलाफ अयोध्या जिले के विभिन्न थानों में पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं।इनमें चोरी, चोरी का माल रखने, आयुध अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट समेत अन्य धाराओं के मामले शामिल हैं।गिरफ्तार करने वाली टीम मे कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के अलावा चौकी प्रभारी देवकाली राममूर्ति कनौजिया,चौकी प्रभारी फतेहगंज रोहित कुमार पाण्डेय, चौकी प्रभारी साहबगंज आदर्श विक्रम सिंह,चौकी प्रभारी नवीनमंडी संजय कुमार यादव समेत अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

झूलते बिजली के तार और खुले ट्रांसफार्मर से बना हादसे का खतरा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।अयोध्या नगर निगम के सुभाष चंद्र बोस वार्ड में कन्या से नियावां मार्ग पर झूलते बिजली के तार और खुले में रखा विद्युत ट्रांसफार्मर राहगीरों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है।व्यस्त मार्ग होने के बावजूद ट्रांसफार्मर के चारों ओर अब तक सुरक्षा जाली नहीं लगाई गई है, जिससे किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह रिकाबगंज नियावा संपर्क मार्ग है।इसी मार्ग पर आर्य कन्या इंटर कॉलेज और कुरैश गर्ल्स इंटर कॉलेज स्थित होने के कारण स्कूल खुलने और छुट्टी के समय छात्र–छात्राओं तथा चार पहिया दो पहिया वाहन चालकों के अलावा अन्य राहगीरों की सुबह से देर शाम तक आवाजाही भी काफी रहती है।ऐसे में खुले ट्रांसफार्मर और झूलते बिजली के तारों को लेकर अभिभावकों में भी चिंता बनी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि खुले ट्रांसफार्मर से राहगीरों के साथ–साथ बेजुबान जानवरों के लिए भी खतरा बना रहता है।इस गंभीर समस्या पर लोगों ने बिजली विभाग से ट्रांसफार्मर के चारों ओर सुरक्षा जाली लगाने और झूलते तारों को व्यवस्थित कराने की मांग की है।वही इस संबंध मे स्थानीय पार्षद अर्जुन यादव ने बताया कि जल्द ही ट्रांसफार्मर को सुरक्षा जाली से ढकवाया जाएगा।साथ ही झूलते बिजली के तारों की समस्या को भी संबंधित विभाग के संज्ञान में लाकर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी, ताकि राहगीरों, स्कूली बच्चों और बेजुबान जानवरों को किसी तरह का खतरा न रहे।

मार्च 2027 तक पूरा होगा नगर निगम परिसर में बन रहा म्यूजियम

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुभाष चंद्र बोस वार्ड स्थित नगर निगम के मुख्य द्वार के सामने करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा म्यूजियम और फव्वारे का निर्माण कार्य अभी जारी है।निर्माण कार्य पूरा होने में करीब चार से पांच माह का समय और लगने की उम्मीद है। नगर निगम के नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि उम्मीद है कि म्यूजियम का निर्माण कार्य मार्च 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम के इस भवन को 99 वर्ष के लिए पर्यटन विभाग को लीज पर दिया गया है। म्यूजियम का निर्माण कार्य सीएनडीएस द्वारा कराया जा रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद इसे पर्यटन विभाग को सौंप दिया जाएगा।म्यूजियम को रामनगरी आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनाने की तैयारी है।म्यूजियम परिसर के आसपास छोटे–छोटे पार्क भी विकसित किए जा रहे हैं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र होंगे।रामपथ से गुजरने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की नजर भी म्यूजियम की ओर आकर्षित होगी। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार होने वाले इस म्यूजियम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होने की उम्मीद है। इससे बड़ी संख्या में लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने के साथ उनके परिवारों की आजीविका में भी मदद मिलेगी।नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। नगर निगम के ठीक सामने तैयार किए जा रहे फव्वारे तथा भवन की रंगाई–पुताई का काम भी जल्द पूरा होने की उम्मीद है। निर्माण कार्य जितनी जल्दी पूरा होगा, उतनी ही जल्दी म्यूजियम को पर्यटन विभाग को सौंप दिया जाएगा।

चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग में हुई कार्रवाई के प्रभावितों से मिले विधायक

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग निर्माण की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से मंगलवार को विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने मुलाकात की। उन्होंने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की स्थिति की जानकारी ली और प्रभावित परिवारों से उनकी समस्याओं के बारे में बातचीत की।विधायक ने बताया कि प्रभावित परिवारों के साथ सोमवार को जिलाधिकारी से मुलाकात की गई थी।कार्रवाई मानकों के अनुरूप नहीं किए जाने के आरोपों को लेकर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है।कमेटी पूरे मामले की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।विधायक ने कहा कि उन्होंने मौके पर पहुंचकर हुई कार्रवाई को देखा है। इसमें कुछ ऐसी कार्रवाई भी हुई है, जिसे टाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि जिन प्रभावित परिवारों के पास रहने की व्यवस्था नहीं है, उनके लिए आवास की व्यवस्था कराई जाएगी। जिनकी दुकानें कार्रवाई में प्रभावित हुई हैं, उनके पुनर्वास की भी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि बुधवार को जिलाधिकारी के साथ दोबारा बैठक होगी। इसमें प्रभावित परिवारों से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। विधायक ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में इस प्रकार की कार्रवाई किए जाने से पहले प्रभावित लोगों को इसकी जानकारी दी जाए।उन्होंने कहा कि चौदह कोसी परिक्रमा से पहले मार्ग का निर्माण पूरा करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है, लेकिन घटना से प्रभावित परिवारों को हुई परेशानी का उन्हें दुख है। अब प्रभावित लोगों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।देवकाली मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल ने बताया कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।मौके पर मनोज जायसवाल, प्रकाश गुप्ता, प्रांशु अग्रवाल, मुरारी सिंह यादव, प्रीति चौहान सहित अन्य प्रभावित परिवारों के लोग मौजूद रहे।

जियाउल हक के माता-पिता के छलके आंसू, बोले- फैसले से हैं दुखी, आत्मा को पहुंची ठेस

गोरखपुर, (संवाददाता)। देवरिया के खुखुंदू में सीओ जियाउल हक हत्याकांड में 13 साल बाद लखनऊ की विशेष सीबीआई अदालत से एक बार फिर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया समेत पांच आरोपियों को क्लीनचिट देने पर उनकी माता हाजरा खातून और पिता शमशुल हक के आंसू छलक आए। उनका कहना है कि चक्रव्यूह तो वही रचे थे। जियाउल के माता–पिता ने कहा कि जब अदालत का फैसला है तो हम क्या कर सकते हैं। हमे भी स्वीकार करना पड़ेगा। 2024 में सीबीआई की विशेष अदालत ने सीओ जियाउल हक हत्याकांड में शामिल 10 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि, उस समय भी जियाउल के माता–पिता ने राजा भैया को सजा नहीं बनाने पर दुख व्यक्त किया था। खुखुंदू थाना क्षेत्र के जुआफर गांव निवासी सीओ जियाउल हक की प्रतापगढ़ के कुंडा में तैनाती के दौरान दो मार्च 2013 में हथिगवां में भीड़ ने पहले उन्हें लाठी–डंडे से पीटा और फिर गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में जियाउल हक की पत्नी परवीन आजाद ने रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया, उनके नजदीकी गुलशन यादव समेत पांच और अन्य अज्ञात पर हत्या के आरोप में की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने पांच अक्तूबर 2024 को राजा भैया और गुलशन यादव समेत पांच को क्लीनचिट देते हुए 10 दोषियों को सजा सुनाई थी। उसके चार दिन बाद फिर कोर्ट ने 10 दोषियों को उम्रकैद की सजा और 15–15 हजार रुपये जुर्माना लगाया था। जियाउल हक की पत्नी परवीन आजाद ने सीबीआई अदालत के क्लोजर रिपोर्ट का विरोध करते हुए बरी किए गए आरोपियों की भूमिका की दोबारा जांच की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई की विशेष अदालत ने फिर से जांच की और क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी। हालांकि, इस बार भी विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतिभा सिंह की अदालत ने पर्याप्त कारण न मिलने का हवाला देते हुए राजा भैया, उनके मीडिया प्रभारी हरिओम श्रीवास्तव, सपा नेता गुलशन यादव, गुड्डू सिंह और रोहित सिंह को क्लीनचिट दे दी है। कोर्ट के फैसले के बाद रविवार को जियाउल हक के माता हाजरा खातून और पिता शमशुल हक का कहना है कि बेटे की हत्याकांड का चक्रव्यूह रचने वाला ही बरी हो गया। इससे बड़े दुख की बात क्या हो सकती है। जब इनसे पूछा गया कि बाकी दोषियों को तो उम्रकैद की सजा हुई तो बोले ठीक है मगर जो बरी हुए है, वे भी उनसे अधिक दोषी है। खैर अदालत के फैसला मंजूर है। यह कहते हुए माता–पिता की आंखों से आंसू छलक पड़े। सीओ जियाउल हक हत्याकांड में सीबीआई के विशेष कोर्ट लखनऊ ने शनिवार को जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया समेत पांच लोगों को बड़ी राहत दी।

गोल्डी बराड़ के नेटवर्क से शशांक तक पहुंचते थे विदेशी असलहे

गोरखपुर, (संवाददाता)। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े बताए जा रहे असलहा तस्करी नेटवर्क की जांच में एसटीएफ को नई कड़ी मिली है। जांच में शशांक पांडेय को गोल्डी बराड़ के नेटवर्क के जरिये विदेशी असलहे मिलने की जानकारी सामने आई है। शशांक की लोकेशन राजस्थान में मिलने के बाद एसटीएफ ने वहां की पुलिस से संपर्क किया है। टीम उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। वहीं, नेटवर्क से जुड़े चार आरोपियों की लोकेशन नेपाल सीमा के पास मिलने के बाद वहां भी तलाश तेज कर दी गई है। एसटीएफ की जांच में पता चला कि मूलरूप से बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के मैनाटाड़ थाना क्षेत्र के चुठहा गांव निवासी शशांक पांडेय उर्फ पंडित को विदेशी असलहे उपलब्ध कराने वाले संपर्कों की कड़ियां गोल्डी बराड़ नेटवर्क तक पहुंचने की बात सामने आई है। एसटीएफ यह पता कर रही है कि असलहों की खेप किस रास्ते से भारत पहुंचती थी और यहां उसे किन लोगों तक पहुंचाया जाता था। इसके लिए आरोपियों के मोबाइल, सोशल मीडिया संपर्क और आपसी बातचीत की भी पड़ताल की जा रही है। जांच का दायरा मध्य प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के साथ नेपाल सीमा तक फैल गया है। एसटीएफ अलग–अलग टीमों के जरिए संदिग्धों के ठिकानों और उनके संपर्कों को खंगाल रही है।

संक्षिप्त खबरें

आज अंगने में आए भगवान, गजब निक लागेला

भदोही, (संवाददाता)। ब्लॉक क्षेत्र के गुवाली गांव में रविवार को बजरंग दल समिति की तरफ से कजरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मिर्जापुर की गायिका आरती जख्मी और मछलीशहर जौनपुर के समारू खलीफा के बीच कजरी गायन का मुकाबला हुआ। दोनों कलाकारों ने अपनी गायकी से समा बांध दी। कलाकारों ने पारंपरिक कजरी गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को संगीतमय बना दिया। आरती जख्मी ने 'आज अंगने में आए भगवान, गजब निक लागेला' गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। उनकी प्रस्तुति पर श्रोता झूम उठे और तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। वहीं समारू खलीफा ने भी अपनी दमदार प्रस्तुति से श्रोताओं का मनोरंजन किया। आयोजक बऊ गौंड़ ने कहा कि कजरी पूर्वांचल की लोक संस्कृति और परंपरा से जुड़ी विधा है। इस तरह के आयोजन से लोकगीत और लोक संगीत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलती है।

मिर्जापुर पुलिस ने सराफा कारोबारी को उठाया

भदोही, (संवाददाता)। गोपीगंज पुलिस चौकी के बगल स्थित सराफा कारोबारी अरविंद कौशल बंटी को रविवार को सादी वर्दी में पहुंची मिर्जापुर पुलिस पकड़कर ले गई। पुलिस कोतवाली गोपीगंज ले जाकर उससे पूछताछ कर रही है। 25 से 30 साल पुराने लेनदेन के मामले में कार्रवाई की गई। वहीं व्यापारी के भाई दीपक कौशल ने मुख्यमंत्री से शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच और जान माल और फर्जी मुकदमे में फंसाने की आशंका जताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई। पुलिस के मुताबिक मिर्जापुर के गणेशगंज मुहल्ले के एक सराफा कारीगर की तरफ से कारोबारी पर आरोप लगाया गया कि लगभग 25 से 30 वर्ष पहले सराफा से जुड़े आभूषण बनाने के लिए सोने का लेनदेन किया गया था। जिसका हिसाब–किताब अभी तक नहीं किया गया। कोतवाली प्रभारी सच्चिदानंद पांडे ने बताया कि सराफा कारोबारी और कारीगर के बीच लेनदेन का मामला है। पूछताछ के लिए पुलिस लेकर आई है। उधर, कारोबारी को उठाने की सूचना से व्यापारियों में खलबली मच गई।

मछुआरों के जाल में फंसा 12 फीट लंबा अजगर

भदोही, (संवाददाता)। डीघ ब्लॉक के बारीपुर ऊपरवार गांव के पास रविवार को वनकर्मियों ने 12 फीट लंबे अजगर का रेस्क्यू किया। अजगर को मिर्जापुर के मड़िहान जंगल में छोड़ा गया। तीन घंटे तक रेस्क्यू के बाद अजगर को पकड़ा गया। ऊपरवार गांव के पासवान, ठाकुर बस्ती के पास तालाब में ग्रामीण मछली पकड़ने के लिए जाल लगाए थे। उसी में एक 12 फीट लंबा अजगर फंस गया। जिसे देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तीन घंटे की मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित बाहर निकाला। औराई के रेंजर राहुल सिंह कौशिक ने बताया कि सूचना मिलने पर वनकर्मी राकेश यादव और मनीष को मौके पर भेजा गया। अजगर का रेक्स्यू किया गया। उसे मिर्जापुर जिले के मड़िहान क्षेत्र के जंगल में छोड़ा गया।

हारी हुई सीटें सहयोगियों को दे भाजपा- संजय निषाद

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने प्रयागराज में कहा कि उनकी पार्टी भाजपा से सिर्फ सीटें मांगने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि ऐसी सीटों पर जीत दिलाने की क्षमता रखती है। जहां भाजपा लंबे समय से कम वोटों के अंतर से हारती रही है। संजय निषाद ने कहा कि जिन सीटों पर निषाद समाज की संख्या अधिक है और भाजपा करीब 40 साल से जीत नहीं पाई है। ऐसी सीटें निषाद पार्टी को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम तो एक ही बात कहेंगे कि जहां कम, वहां हम। अगर भाजपा किसी सीट पर कम वोटों से हार रही है, तो सहयोगी दल उस कमी को पूरा कर जीत में बदलने का प्रयास कर सकते हैं। संजय निषाद ने कहा– पिछली बार भाजपा ने निषाद पार्टी को 16 सीटें दी थीं, जिनमें 11 सीटों पर जीत मिली। उन्होंने इसी आधार पर आगे भी ऐसी सीटों पर मौका देने की मांग की है, जहां निषाद समाज की संख्या ज्यादा है और भाजपा लंबे समय से चुनाव हार रही है। उन्होंने कहा कि हारी हुई सीटें सहयोगी दलों को देने में कोई नुकसान नहीं है। इससे सहयोगी दलों की संख्या भी बढ़ेगी और उन सीटों को जीत में बदलने की कोशिश की जा सकेगी। भाजपा के यूपी प्रभारी विनोद तावड़े से मुलाकात को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि उनके बीच राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। उन्होंने अपने घर चाय पर आने का निमंत्रण दिया था और इसी क्रम में वह उनके घर आए।

पोस्टमास्टर जनरल ने की मण्डलाध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा

प्रयागराज, (संवाददाता)। डिजिटल इंडिया' की परिकल्पना के अनुरूप भारतीय डाक अपने व्यापक नेटवर्क को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ते हुए सेवा वितरण को अधिक सरल, त्वरित, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीकों के समावेश से डाकघरों में सेवाओं की दक्षता बढ़ी है और ग्राहकों को अनेक सुविधाएँ अधिक सुगमता एवं सुविधा के साथ उपलब्ध हो रही हैं। जनसेवा से डिजिटल सेवा तक, बदलते भारत के साथ निरंतर डाक विभाग कदमताल कर रहा है। सुरक्षित निवेश, सुनिश्चित रिटर्न और आकर्षक ब्याज दरों के चलते डाकघर की बचत योजनाएँ आज भी लोगों के बीच विश्वास और लोकप्रियता का प्रमुख आधार बनी हुई हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।